समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

इंटरनेशनल क्रिकेट मे पंहली बार पिता-पुत्र की जोड़ी ने किया एक साथ डेब्यू, सुहैल और याह्या सत्तार ने रचा इतिहास

Publisher

Published on 08 Nov 2025

क्रिकेट के मैदान पर 6 नवंबर 2025 का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया है। इस दिन इंडोनेशिया के बाली में तिमोर-लेस्ते क्रिकेट टीम ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला और इसी मैच में एक ऐसा अनोखा पल देखने को मिला जिसने क्रिकेट प्रेमियों को रोमांचित कर दिया। इस मैच में तिमोर-लेस्ते की ओर से सुहैल सत्तार और उनके बेटे याह्या सत्तार ने एक साथ इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया। यह दुनिया की पहली पिता-पुत्र की जोड़ी बन गई, जिसने एक ही मैच में एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा।

50 वर्षीय सुहैल सत्तार और 17 वर्षीय याह्या सत्तार के इस डेब्यू ने न केवल तिमोर-लेस्ते के क्रिकेट इतिहास में, बल्कि विश्व क्रिकेट में भी एक अनोखी मिसाल कायम की है। सुहैल सत्तार लंबे समय से क्रिकेट से जुड़े रहे हैं और उन्होंने अपने बेटे को बचपन से ही इस खेल के प्रति प्रेरित किया। जब तिमोर-लेस्ते क्रिकेट एसोसिएशन ने पिता-पुत्र दोनों को राष्ट्रीय टीम के लिए चुना, तो यह पल पूरे परिवार के लिए गर्व का विषय बन गया।

इस ऐतिहासिक मैच के दौरान दोनों मैदान पर साथ दिखाई दिए। सुहैल जहां टीम के लिए अनुभवी खिलाड़ी के रूप में उतरे, वहीं याह्या ने युवा जोश से टीम में ऊर्जा भर दी। पिता-पुत्र की जोड़ी को एक साथ बल्लेबाजी करते और एक-दूसरे को प्रोत्साहित करते देखना दर्शकों के लिए एक भावनात्मक पल था। इसने खेल के उस खूबसूरत पहलू को उजागर किया, जो पीढ़ियों को जोड़ता है।

हालांकि, क्रिकेट इतिहास में परिवार के सदस्यों का साथ खेलना नया नहीं है। पहले भी कई उदाहरण देखने को मिले हैं जहां भाई, बहन या पति-पत्नी एक साथ टीम में रहे हैं। मगर पिता-पुत्र की जोड़ी का एक साथ इंटरनेशनल क्रिकेट मैच में खेलना अब तक कभी नहीं हुआ था। इससे पहले महिला क्रिकेट में जरूर ऐसी मिसाल बनी थी। स्विट्जरलैंड की महिला टीम में मेट्टी फर्नांडीस और उनकी बेटी नैना मेट्टी राजू ने इस साल छह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच एक साथ खेले थे। मगर पुरुष क्रिकेट में यह पहली बार हुआ है जब पिता और पुत्र ने एक साथ मैदान पर उतरकर इतिहास बनाया है।

इस अनोखे कारनामे ने क्रिकेट जगत में नई चर्चा छेड़ दी है। सोशल मीडिया पर सुहैल और याह्या की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। क्रिकेट प्रशंसक इस घटना को खेल भावना और पारिवारिक बंधन का सुंदर प्रतीक बता रहे हैं। कई दिग्गज खिलाड़ियों ने भी इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी है।

तिमोर-लेस्ते क्रिकेट टीम के लिए यह मैच कई मायनों में खास था। यह उनका पहला इंटरनेशनल मुकाबला था, जिसमें टीम भले ही परिणाम के लिहाज से जीत न सकी हो, लेकिन इतिहास में अपना नाम दर्ज कराने में जरूर कामयाब रही। टीम प्रबंधन ने भी कहा कि यह पल उनके देश के क्रिकेट इतिहास के लिए प्रेरणादायक रहेगा और आने वाली पीढ़ियों को खेल से जोड़ने का काम करेगा।

सुहैल सत्तार ने मैच के बाद कहा कि अपने बेटे के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट में उतरना उनके जीवन का सबसे बड़ा गर्व का पल है। उन्होंने कहा, “जब मैंने पहली बार अपने बेटे को क्रिकेट खेलते देखा था, तब कभी नहीं सोचा था कि हम दोनों एक दिन एक साथ राष्ट्रीय टीम के लिए खेलेंगे। यह पल मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।” वहीं याह्या सत्तार ने कहा कि पिता के साथ मैदान साझा करना उनके लिए सम्मान की बात है और वह आने वाले समय में देश के लिए और बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं।

यह ऐतिहासिक डेब्यू केवल एक पारिवारिक उपलब्धि नहीं, बल्कि इस बात का प्रमाण भी है कि खेल किसी भी उम्र या पीढ़ी की सीमाओं को पार कर लोगों को जोड़ सकता है। सुहैल और याह्या सत्तार की यह कहानी आने वाले वर्षों तक क्रिकेट जगत में याद रखी जाएगी, जो यह साबित करती है कि जुनून और समर्पण उम्र का मोहताज नहीं होता।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.